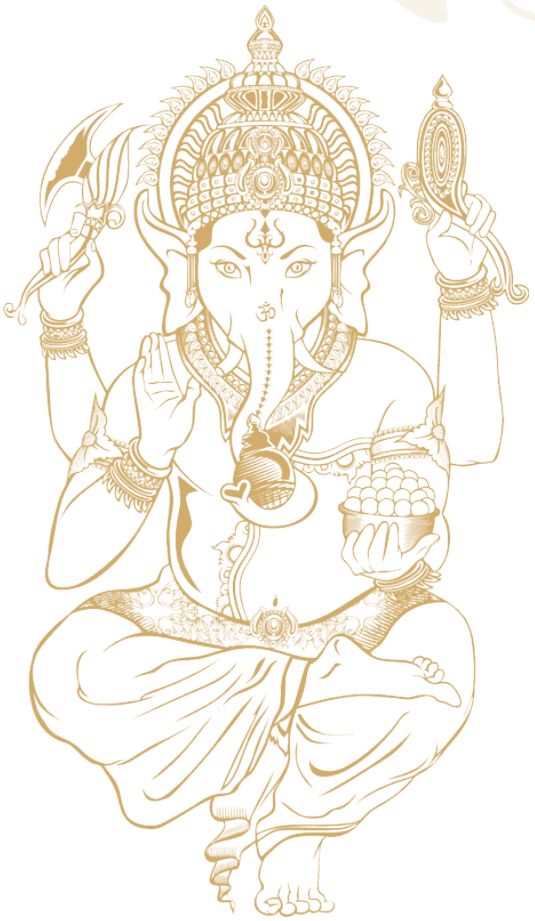

Mr.Keshv jayani

06 Jan 2024

10:30 PM

Ganganagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121586809

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/01/2024**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**22:30:00 घंटे**
इष्ट	37:27:29 घटी
स्थान	**Ganganagar**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	29:54:00 उत्तर
रेखांश	73:56:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:55:44 घंटे
वेलान्तर	-00:05:31 घंटे
साम्पातिक काल	04:58:51 घंटे
सूर्योदय	07:31:00 घंटे
सूर्यास्त	17:48:59 घंटे
दिनमान	10:18:00 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	21:39:58 धनु
लग्न के अंश	22:29:20 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	धृति
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	22:29:20	313:39:47	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	21:39:58	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	20:35:26	12:44:03	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	धनु	07:21:44	00:44:45	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	मित्र राशि
बुध			वृश्चि	29:24:30	00:34:41	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	11:27:55	00:01:22	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	15:22:42	01:13:16	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	सम राशि
शनि			कुंभ	09:34:32	00:05:41	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	मूलत्रिकोण
राहु	व		मीन	26:43:46	00:02:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	26:43:46	00:02:53	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	25:04:49	00:01:03	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	---
नेप			मीन	00:58:37	00:01:03	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	---
प्लूटो			मक	05:20:45	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			वृष	21:43:45	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:11:28

लग्न-चलित

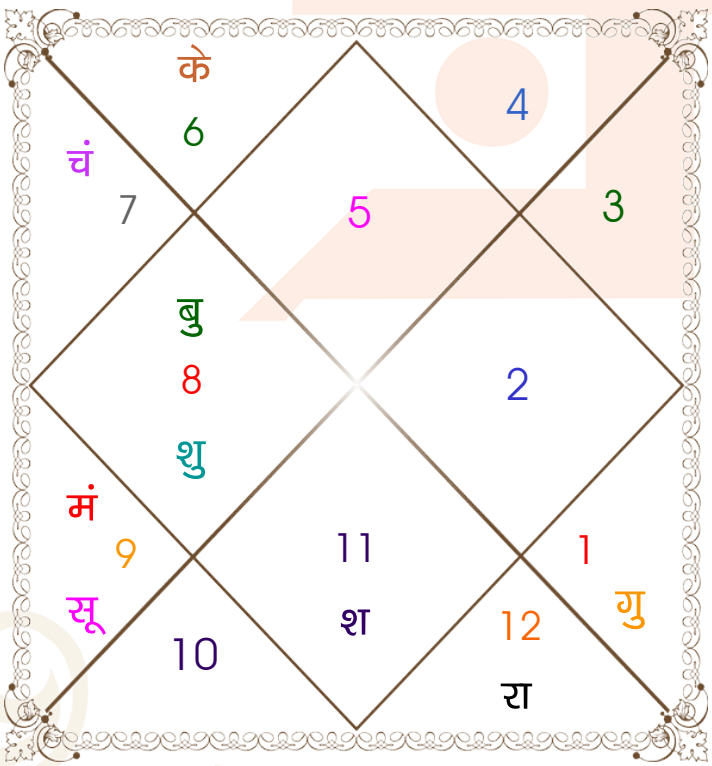

चन्द्र कुंडली

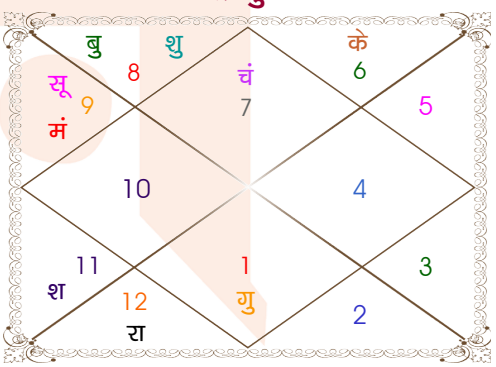

नवमांश कुंडली

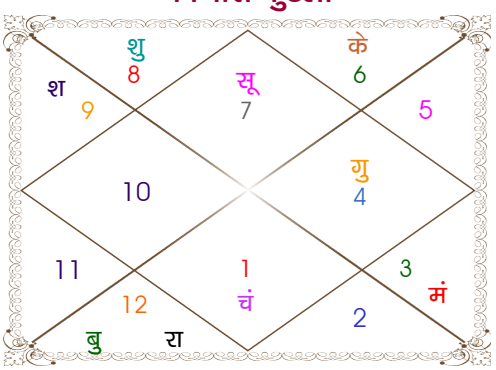

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 15 वर्ष 3 मास 15 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/01/2024		23/04/2039		22/04/2058		23/04/2075		22/04/2082	
23/04/2039		22/04/2058		23/04/2075		22/04/2082		23/04/2102	
गुरु	10/06/2025	शनि	25/04/2042	बुध	18/09/2060	केतु	19/09/2075	शुक्र	22/08/2085
शनि	22/12/2027	बुध	02/01/2045	केतु	15/09/2061	शुक्र	18/11/2076	सूर्य	22/08/2086
बुध	29/03/2030	केतु	11/02/2046	शुक्र	16/07/2064	सूर्य	26/03/2077	चंद्र	22/04/2088
केतु	05/03/2031	शुक्र	13/04/2049	सूर्य	22/05/2065	चंद्र	25/10/2077	मंगल	22/06/2089
शुक्र	03/11/2033	सूर्य	26/03/2050	चंद्र	22/10/2066	मंगल	23/03/2078	राहु	22/06/2092
सूर्य	22/08/2034	चंद्र	25/10/2051	मंगल	19/10/2067	राहु	10/04/2079	गुरु	21/02/2095
चंद्र	22/12/2035	मंगल	03/12/2052	राहु	08/05/2070	गुरु	16/03/2080	शनि	22/04/2098
मंगल	27/11/2036	राहु	10/10/2055	गुरु	12/08/2072	शनि	25/04/2081	बुध	21/02/2101
राहु	23/04/2039	गुरु	22/04/2058	शनि	23/04/2075	बुध	22/04/2082	केतु	23/04/2102

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
23/04/2102		23/04/2108		23/04/2118		23/04/2125		24/04/2143	
23/04/2108		23/04/2118		23/04/2125		24/04/2143		00/00/0000	
सूर्य	11/08/2102	चंद्र	21/02/2109	मंगल	19/09/2118	राहु	04/01/2128	गुरु	07/01/2144
चंद्र	10/02/2103	मंगल	22/09/2109	राहु	08/10/2119	गुरु	30/05/2130		00/00/0000
मंगल	17/06/2103	राहु	24/03/2111	गुरु	13/09/2120	शनि	05/04/2133		00/00/0000
राहु	11/05/2104	गुरु	23/07/2112	शनि	23/10/2121	बुध	23/10/2135		00/00/0000
गुरु	27/02/2105	शनि	21/02/2114	बुध	20/10/2122	केतु	10/11/2136		00/00/0000
शनि	09/02/2106	बुध	24/07/2115	केतु	18/03/2123	शुक्र	10/11/2139		00/00/0000
बुध	17/12/2106	केतु	22/02/2116	शुक्र	17/05/2124	सूर्य	04/10/2140		00/00/0000
केतु	24/04/2107	शुक्र	23/10/2117	सूर्य	22/09/2124	चंद्र	05/04/2142		00/00/0000
शुक्र	23/04/2108	सूर्य	23/04/2118	चंद्र	23/04/2125	मंगल	24/04/2143		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 15 वर्ष 3 मा 11 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।